# हिन्दी महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में आप सभी का हार्दिक स्वागत है।

# Department of Hindi

## HEARTY WELCOME TO NAAC PEER TEAM

21& 22 July 2023

# Year of Establishment

## स्थापना

हिन्दी महाविद्यालय स्थापना वर्ष -1961

**हिन्दी विभाग**

यू.जी. स्थापना वर्ष -1961

पी. जी. विभाग की स्थापना-1991-92

# Faculty

| प्राध्यापक गण | | कार्यकाल |
|---|---|---|
| डॉ. रजनी धारी | विभागाध्यक्ष | 12 वर्ष |
| डॉ. जयलक्ष्मी चंद्रय्या | प्राध्यापिका | 6 वर्ष |
| डॉ. ए. पुष्पवल्ली | प्राध्यापिका | 4 वर्ष |
| श्री बालाजी | प्राध्यापक | 5 माह |

# हमारे लक्ष्य

१. विद्यार्थियों की उन्नति।

२. विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास।

३. विद्यार्थियों को रोजगारोन्मूलक बनाना।

४. हिन्दी भाषा का प्रचार-प्रसार करना।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि हम सभी दक्षिण भारत प्रांत में रहते हैं और भाषा के क्रियान्वयन की दृष्टि से दक्षिण भारतीय प्रांतों को 'ग" क्षेत्र में बांटा गया है। ' ग " क्षेत्र में अभी तक हिन्दी में पूर्णत: कार्यालयीन कार्य न होने की वजह से दक्षिण भारतीय प्रांतों में हिन्दी पिछड़ सी गई है। हम हिन्दी के प्रचार-प्रसार के द्वारा 'ग " क्षेत्र में हिन्दी को पूर्णत: लागू करने में प्रयासरत हैं।

५. हिन्दी भारतवर्ष की राष्ट्रभाषा बने यही हमारा प्रयास है।

६. दक्षिण भारत में तथा अन्य भारतीय प्रांतों में हमारी संस्था को ख्याति मिले ऐसा हमारा प्रयास है।

७. नये युग के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए महाविद्यालय ने हिन्दी के साथ-साथ अंग्रेजी माध्यम के कोर्सों को भी आरंभ किया उसी प्रकार हिन्दी विभाग में भी कई नए कोर्सेज को लाने का प्रयास है, जो छात्रों के लिए रोजगार उन्मूलक हो सकेंगे।

८. वैश्विक स्तर पर हिन्दी महाविद्यालय की पहचान स्थापित करना।

९. हिन्दी महाविद्यालय के पुष्ट पुस्तकालय में अवश्यंभावी रूप से सर्वोयोगी पुस्तकों को जोड़कर प्राध्यापकों, शोधार्थियों तथा छात्रों की खोज का अंतिम पड़ाव बनाना हमारा लक्ष्य है।

१०. दक्षिण में हिन्दी का गौरव बढ़ाते हुए इसके फैलाव हेतु प्रयासरत रहना।

११. उत्कृष्टता शिक्षण स्तर को प्रदान करते हुए छात्रों में हिन्दी भाषा को सीखने और रोजगार के रूप में उसे अपनाने के लिए प्रेरित।

# दृष्टि

१. हिन्दी महाविद्यालय के हिन्दी विभाग को शोध तथा अनुसंधान केंद्र के रूप में
२. विकसित करना।
२. छात्रों के लाभार्थ उच्च गुणवत्ता की शिक्षा, सेवाएँ तथा उनकी चतुर्दिक प्रगति हेतु उन्नत सुविधाएँ उपलब्ध करवाना।
३. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय फलक पर जनमानस के मध्य हिन्दी भाषा को प्रतिस्थापिवत करना।
४. हिन्दी साहितय एवं भारतीय संस्कृति में छात्रों का रूझान उत्पन्न करना।

# छात्रों की संख्या

| | | | |
|---|---|---|---|
| इंटरमीडिएट | प्रथम वर्ष | - | 33 |
| इंटरमीडिएट | द्वितीय वर्ष | - | 26 |
| स्नातक (डिग्री) | | | |
| | बी.ए. द्वितीय वर्ष | - | 06 |
| | बी.ए. तृतीय वर्ष | – | 9 |
| स्नातकोत्तर (पी.जी) | प्रथम वर्ष | | 5 |
| | द्वितीय वर्ष | | 6 |

# परीक्षा परिणाम :

| | | |
|---|---|---|
| इंटर प्रथम वर्ष | - | 100 प्रतिशत |
| इंटर द्वितीय वर्ष | - | 100 प्रतिशत |
| स्नातक प्रथम वर्ष | - | 77 प्रतिशत |
| स्नातक द्वितीय वर्ष | - | 82 प्रतिशत |
| स्नातक तृतीय वर्ष | - | 14 प्रतिशत |
| स्नातकोत्तर (पी.जी.) प्रथम वर्ष | - | 100 प्रतिशत |
| द्वितीय वर्ष | - | 100 प्रतिशत |

# पी.जी में अव्वल आने वाले छात्र

१. कस्तूरी

२. श्वेता महेश्वरी

३. जागरुप कौर

# शिक्षण विधि :मूर्त से अमूर्त की ओर

१. छात्रों को किसी भी अध्याय या कोई भी जानकारी देते समय उनके पूर्व ज्ञान पर आधारित ज्ञान को समझते हुए उन्हें नए ज्ञान तक पहुँचाना।

२. व्याख्यान पद्धति द्वारा छात्रों को पाठ समझाना।

३. परिचर्चाओं द्वारा छात्रों में सृजन शक्ति का विकास करना।

४. समय-समय पर छात्रों की पाठ से संबंधित परीक्षा लेना।

५. छात्रों को परियोजना कार्य देना।

६. छात्रों में व्यक्तित्व विकास संबंधी गुण विकसित हो सके इसके लिए प्रत्येक छात्र द्वारा कविता वाचन या पाठ का वाचन करवाया जाता है। अन्य विषयों पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करना क्रियाएँ भी इसमें शामिल हैं।

# विभागीय गतिविधियाँ

हिन्दी विभाग के स्थापना दिवस 1961 से लेकर आज तक हिन्दी विभाग निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।

१. वर्ष 2016-17 में दिसंबर माह में अर्ध दिवसीय संगोष्ठी विषयक **संप्रेषण कौशल** को आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी द्वारा हिन्दी महाविद्यालय के सभी छात्र और छात्राओं को लाभ प्राप्त हुआ क्योंकि हिन्दी विभाग के प्राध्यापकों द्वारा संप्रेषण कौशल विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की गई।

२. 2017-18 में 22 जुलाई 2017 को हिन्दी विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी विषयक **हिन्दी की उन्नति में अनुवाद का योगदान** का आयोजन किया गया।
इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय से प्रो. शुभदा वांजपे और विवेक वर्धिनी कॉलेज से प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ.डी. विद्याधर जी ने अपने-अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए। विभिन्न कॉलेजों से पधारे प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों ने संगोष्ठी में सहभागिता दी। संगोष्ठी में आए-प्रपत्रों को पुस्तकाकार रूप प्रदान किया गया है।

३. दिनांक 22/7/2017 को 'हिन्दी की उन्नति में अनवुाद का योगदान विषयक' राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

४. 14/9/2017 हिन्दी दिवस मनाया गया, इसमें हिन्दी विभाग के प्राध्यापकों द्वारा प्रपत्र वाचन किया गया, तथा बी.ए. के छात्रों द्वारा कविता प्रस्तुत की गयी, गृहमंत्री माननीय राजनाथ सिंह का संदेश पढ़ा गया।

५. 14/9/18 को हिन्दी दिवस मनाया इसमें महाविद्यालय के छात्रों ने कविता एवं भाषण प्रस्तुत किया।

६.14/9/19 को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. ऋषभदेव शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि मंजुला राणा उपस्थित थीं। उन्होंने हिन्दी भाषा से जुड़े कई तथ्यों तथा कहानियों को अनूठे तरीके से व्यक्त किया।

७. 10 जनवरी 2020 को विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इसमें इंटर तथा स्नातक के छात्रों के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक वाई. रविंद्रनाथ थे।

८. 14 सितंबर 2020 को ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. एस. वीएसएस नारायण राजू, डीन तमिलनाडु विश्वविद्यालय तथा प्रो.सत्यकाम इग्नू प्रो. वाइस चांसलर उपस्थित थे।

९. 14/9/2021 को हिन्दी महाविद्यालय में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. शुभदा वांजपे ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण में हिन्दी की भूमिका विषय पर प्रभावशाली भाषण दिया।

१०. 24/2/22 को हिन्दी भाषा कौशल पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें गवर्नेमेंट डिग्री कॉलेज फार वुमेंस के प्राचार्य डॉ. घनश्याम ने व्याख्यान प्रस्तुत किया।

११. 13/8/2022 आजादी के अमृत महोत्सव की विकास यात्रा विषय पर प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने गहन रून से प्रकाश डाला।

१२. 14/9/2022 को हिन्दी दिवस मनाया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कवि डॉ. अनंत काबरा थे। उन्होंने हिन्दी की विकास यात्रा विषय पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

# प्रतियोगिताएँ एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ

१. छात्रों द्वारा समसामायिक घटनाओं पर निबंध रचना प्रतियोगिता कराई जाती है।

२. प्रतिवर्ष बैंकों द्वारा निबंध प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

३. महाविद्यालय द्वारा आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में छात्र सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

४. अंतर महाविद्यालयीन प्रतियोगिता में छात्र सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

५. महाविद्यालय में सृजनशीलता को बढ़ावा देने के लिए विविध विधाओं में लेखन कार्य करने के लिए उचित सुझाव एवं निर्देशन दिये जाते हैं।

६. दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, खैरताबाद द्वारा हर वर्ष काव्यलहरी कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, जिसमें छात्र भाग लेते हैं और पुरस्कार प्राप्त करने के साथ-साथ अन्य महाविद्यालय के छात्रों के मध्यस्थ अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाते हैं।

# विभागीय गतिविधियाँ

हिन्दी दिवस समारोह आयोजित।

हिन्दी महाविद्यालय तथा निजाम कॉलेज के तत्वावधान में  राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

# विभागीय गतिविधियाँ

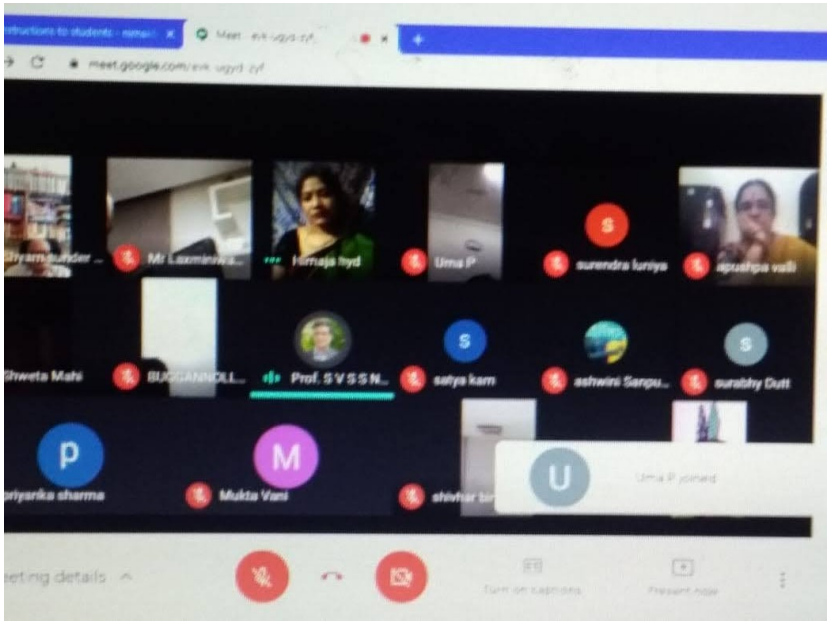


हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में वेबिनार आयोजित।

अतिथि व्याख्यान आयोजित ।

# विभागीय गतिविधियाँ

नैतिक मूल्यों पर अतिथि व्याख्यान आयोजित।

# शैक्षिक गतिविधियाँ

१ .प्रत्येक शनिवार विविध विषयों पर परिचर्चा की जाती है।

२ .छात्रों को पाठ्यक्रम से संबंधित परियोजना कार्य दिया जाता है और उस पर चर्चा भी की जाती है।

३ .छात्रों में व्यक्तित्व विकास संबंधित गुणों को विकसित करने हेतु उचित परामर्श एवं निर्देशन दिया जाता है।

# नई नीतियों को लागू करना

१. वर्ष 2016 में क्रेडिट बेस चॉइस सिस्टम (सीबीसीएस) को महाविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में लागू किया गया।

२. हिन्दी महाविद्यालय एक स्वायत्त संस्था है। इसी कारण वश वर्ष 2017 में सर्वप्रथम यहाँ दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को भव्य रूप से माननीय पदाधिकारीगणों को आमंत्रित कर उनके करकमलों द्वारा प्रणाम पत्र प्रदान किए गए।

३. वर्ष 2019 में भी इसी प्रकार दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया।

४. वर्ष 2022-23 स्नातक तृतीय वर्ष में द्वितीय भाषा को लागू किया गया, जिसके लिए तेलुगु अकादमी ने नई पुस्तक को बाजार में उतारा।

५. वर्ष 2022-23 में हिन्दी विभाग द्वारा अनुवाद तथा परामर्श केंद्र का उद्घाटन किया गया, जिसमें सभी भाषाओं से अनुवाद की सुविधा उपलब्ध करायी जाती है।

# विभागीय प्राध्यापकों की शैक्षणेत्तर गतिविधियाँ :

१. **नाम - डॉ. रजनी धारी** (हिन्दी विभागाध्यक्ष)

हिन्दी प्रवक्ता

शैक्षणिक योग्यता : एम.ए., बी.एड, एम.फील, पीजीडीटी डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन, पी.एचडी

**शैक्षणिक अनुभव**

१. सिटी पब्लिक स्कूल में एक वर्ष तक हिन्दी अध्यापक के रूप में कार्य किया।

२. हिन्दी महाविद्यालय में 2011 से लेकर आज तक सक्रिय रूप से कार्यरत हूँ।

**शैक्षिक योग्यता :**

स्कूली शिक्षा विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों में संपन्न हुई।

१. स्नातक की डिग्री हिन्दी महाविद्यालय में प्रथम श्रेणी में पूर्ण की

२. स्नातकोत्तर की डिग्री हिन्दी महाविद्यालय में प्रथम श्रेणी में प्राप्त की।

३. बी.एड. की डिग्री दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा खैरताबाद से प्राप्त की।

४. एम.फिल की उपाधि दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा से प्राप्त की

५. अनुवाद डिप्लोमा डिग्री दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा से प्राप्त की।

६. पी.एच.डी. की उपाधि दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा खैरताबाद से प्राप्त की।

## अन्य कौशल और क्षमताओं का ब्यौरा :

१. रेडियो के चैनल 101.9 रेनबो एफएम पर **नैतिक मूल्य** पर युवावाणी कार्यकम में आलेख प्रस्तुत किया।

२. रेडियो चैनल 101.9 पर गेस्ट आर.जे की तरह काम किया।

३. अंगेजी तथा विदेशी भाषा विश्वविद्यालय में द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी विषयक दलित और आदिवासी चेतना में भाग लिया।

४. हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी महाविद्यालय में एंकरिंग क्या होती है पर प्रपत्र वाचन किया।

५. विवेक वर्धिनी कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी विषयक मीडिया में बहुभाषिकता का बदलता स्वरूप में भाग लिया।

६. हिन्दी महाविद्यालय में आयोजित हिन्दी दिवस पर ग क्षेत्र के कार्यालयों में हिन्दी कब तक लागू होगी विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

७. सेंट पायस कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी विषयक अनुवाद की सीमाएँ और समस्याएँ में भाग लिया

८. हिन्दी महाविद्यालय के मुखपत्र हिम चेतना पत्रिका के संपादक मंडल की सदस्य की तरह कार्यरत हूँ।

९. प्रगति महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की तरह आमंत्रित।

१०. अनुवाद कार्य किया जिसमें रियल एस्टेट की पुस्तक, विभिन्न प्रकार के डॉक्यूमेंट्स मनरेगा योजना (महात्मा गांधी) आदि का अनुवाद किया।

११. हिन्दी महाविद्यालय में 22 जुलाई 2017 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी विषयक हिन्दी की उन्नति में अनुवाद का योगदान संगोष्ठी का आयोजन किया ।

१२. सेंट जोसेफ स्कूल आसमानगढ़ में हिन्दी दिवस के अवसर पर वर्ष 2016-17 में मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित।

१३. कोटी स्थित आंधा बैंक में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित।

१४. केंद्रीय हिन्दी संस्थान में प्रयोजनमूलक हिन्दी और विज्ञापनों के महत्व पर विशेष व्याख्यान के लिए 5 बार आमंत्रित किया गया।

१५. केंद्रीय हिंदी संस्थान मे ंहिन्दी व्याकरण पर विशेष व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

१६. मध्यप्रदेश भोपाल के दैनिक नवप्रदेश में दो कविताएँ प्रकाशित हुईं।

१७. हिन्दी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रपत्र वाचन किया और प्रपत्र पुस्तक में प्रकाशित भी है।

१८. हिंदी महाविद्यालय के बी. वोकेशनल विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बहुभाषिकता के लाभ पर अंगेजी में प्रपत्र वाचन किया और प्रपत्र पुस्तक में प्रकाशित भी है।

१९. निजाम कॉलेज में (सी.बी.सी.एस) नई प्रणाली में स्नातक द्वितीय वर्ष के पाठ्यकम पर चर्चा के लिए आयोजित कार्यशाला में अध्यक्ष, संचालक के रूप में भूमिका अदा की।

२०. हिन्दी अकादमी, हैदराबाद द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संकल्य व्याख्यान माला विषयक विवेकी राय और गाम जीवन में उपस्थित रहकर सकिय सहयोग प्रदान किया।

२१. अंगेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी विषयक अमरकांत एवं श्रीलाल शुक्ल के साहित्य में व्यवस्था की विडंबना संगोष्ठी में भाग लिया।

२२. उस्मानिया विश्वविद्यालय में 3 वर्षों से स्नातक स्तर की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में भाग लिया।

२२. हिन्दी की उन्नति में अनुवादक का योगदान पुस्तक प्रकाशित हो गई है।

२३. स्टेट लाइबर्री (अफजलगंज) में बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्यरत

२४. विभिन्न कॉलेज-भवन्स तथा उस्मानिया विश्वविद्यालय में बोर्ड ऑफ स्टडीज में सम्मिलित

२५. निजाम कॉलेज तथा आंधा महिला सभा में परीक्षक के रूप में कार्यरत

२५. रेडियो चारमीनार 107.8 में मुख्य अतिथि हिन्दी दिवस पर आमंत्रित

२६.हिन्दी जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा हिन्दी दिवस पर हिन्दी प्रचार प्रसार के लिए सम्मानित

२७. केनरा बैंक हैदराबाद अंचल कार्यालय में हिन्दी दिवस मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित

२८. सेंट पायस कॉलेज में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित।

२९. समांकित भारतीय साहित्य संस्थान बस्ती उत्तर-प्रदेश स्वर्गीय मधुर नारायण मिश्र हिन्दी सेवा सम्मान की प्राप्ति।

३०. धार्मिक चैनल टीटीडी हिन्दी पर भक्ति माधुर्य नामक कार्यक्रम का प्रसारण।

ONE-DAY NATIONAL SEMINAR
SPONSORS
Andhra Bank, Hyderabad
HMV Educational Society, Hyderabad

ONE-DAY NATIONAL SE
Andhra Bank, Hyder
HMV Educational
राष्ट्रीय

उद्घाटन समारोह
अनुवाद तथा परामर्श केन्द्र
मंगलवार दि. 29-11-2022
हिन्दी महाविद्यालय समिति

उद्घाटन समारोह
अनुवाद तथा परामर्श केन्द्र
मंगलवार दि. 29-11-2022
हिन्दी महाविद्यालय समिति

अतिथि व्याख्यान - 27/07/2022
विषय - आधुनिक हिंदी कविता
संयोजक
हिंदी विभाग
हिंदी महाविद्यालय

अतिथि व्याख्यान - 27/07/2022
आधुनिक हिंदी कविता - एक विमर्श
अतिथि व्याख्याता
डॉ. मुकेश कुमार मिश्र
2022/07/27 12:14

**५. नाम —** डॉ. जयलक्ष्मी चंद्रय्या

पद — हिन्दी प्रवक्ता

**१. शैक्षणिक योग्यताएँ**

एम.ए. (हिन्दी) नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर

एम.फिल.(हिन्दी) यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नाशिक

पीएच डी (हिन्दी) उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद

**२. अतिरिक्त शैक्षणिक योग्यताएँ**

१. राष्ट्रभाषा रत्न (हिन्दी) राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा

२. सेट — उस्मानिया विश्वविद्यालय, तेलंगाना

३. नेट - यूजीसी, दिल्ली

**३. अध्यापन अनुभव**

१. जनवरी 2005 से 2007 तक विद्या विकास आर्ट्स और कॉमर्स, डिग्री और पी.जी. महाविद्यालय समुद्रपुर में डिग्री की हिन्दी प्राध्यापिका के रूप में कार्य किया।

२. अगस्त 2007 से 2015 तक यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ नाशिक (केंद्र-विद्या विकास आर्टस् और कॉमर्स डिग्री और पी. जी. महाविद्यालय समुद्रपुर) में डिग्री की हिन्दी प्राध्यापिका के रूप में कार्य किया।

३. 20 जुलाई 2017 से हिन्दी महाविद्यालय, हैदराबाद में हिन्दी प्रवक्ता के रूप में कार्यरत।

**४. सेमिनार, संगोष्ठी, अधिवेशन सम्मेलन और कार्यशाला में सहभागिता**

१. राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार -4

२. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार-3

३. अधिवेशन सम्मेलन -2

४. कार्यशाला – 4

**५. प्रकाशित शोधलेख-15**

१. प्रकाशित पुस्तकें - यशपाल के कथा साहितय में आम आदमी की अवधारणा

२. गांधी दर्शन की प्रासगिकता और प्रेमचंद के उपन्यास

३. 4 शोधालेख अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित।

४. विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रपत्र वाचन किया

५. लगभग 30 राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं वेबिनारों में सहभागिता की।

६. शोधालेख राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित।

७. शोधालेख यूजीसी मान्यता प्राप्त पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

८. संपादन कार्य - वैश्विक संदर्भ में अनुवाद की भूमिका (पुस्तक का सहसंपादन)

९. यशपाल के कथा साहित्य में आम आदमी की अवधारणा पुस्तक का संपादन।

**५. नाम –** डॉ. ए. पुष्पवल्ली

पद – हिन्दी प्रवक्ता

**१. शैक्षणिक योग्यताएँ**

एम.ए. (हिन्दी) हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद

एम.फिल.(हिन्दी हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद

पीएच डी (हिन्दी) हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद

**२. अतिरिक्त शैक्षणिक योग्यताएँ**

१. पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन

**३. अध्यापन अनुभव**

१. 1991 से मार्च 2016 होली क्रास डिग्री कॉलेज फॉर वुमेन।

२. 2017 से 2019 बुद्रका कॉलेज ऑफ कॉमर्स

३ 2017 से 2019 हिन्दी के अलावा एथिक्स और पर्यावरण विज्ञान।

४. 2019 से अब तक हिन्दी महाविद्यालय में कार्यरत।

## ४. सेमिनार, संगोष्ठी, अधिवेशन सम्मेलन कार्यशाला सहभागिता

१. राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार -10

२. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार-5

३. अधिवेशन सम्मेलन -5

४. कार्यशाला – 2

## ५. प्रकाशित शोधलेख-15

१. २ शोधालेख यूजीसी मान्यता प्राप्त पत्रिकाओं में प्रकाशित।

२. १ शोधालेख राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित।

३. विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रपत्र वाचन किया।

४. लगभग 25 राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय, संगोष्ठियों कार्यशालाओं एरां वेबिनारों सहभागिता की।

## ६. उपलब्धियाँ :-

१. 2002 धर्मभारती के द्वारा छह दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित नैतिक शिक्षा कार्यक्रम में भाग लिया ।

२. एपी एड्स कंट्रोल सोसायटी द्वारा आयोजित 15 दिवसीय ट्रेनिंग में सक्रिय भाग लिया।

३. मेदक में स्थित ओडीएफ कंपनी में हिन्दी दिवस के उलक्ष्य में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

४. 2008 बेस्ट हिन्दी टिचर्स अवार्ड बीएचइएल द्वारा दिया गया।

५. भारतीय विद्या भवन्स पब्लिक स्कूल बीएचइल में वार्षिक नियंत्रण की टीम के सदस्य के रूप में नियुक्त।

६. भारतीय विद्या भवन्स पब्लिक स्कूल में हिन्दी अध्यापक के नियुक्ती कमेटी में मेंबर।

७. रामाकृष्णा मठ के द्वारा आयोजित 2018-2019 में युवा संघर्ष में कई छात्र-छात्राओं को भाग लेने में प्रोसिाहित किया और पुरस्कार भी प्राप्त हुए।

- **नाम- डॉ. अविनाश जायसवाल**
- प्राचार्य - हिन्दी महाविद्यालय
- **शैक्षणिक अनुभव**
- निजी कॉलेज और ओयू सीडब्ल्यू, कोठी, हैदराबाद में हिन्दी विभाग के प्रमुख के रूप में कार्य किया।
- निजाम कॉलेज हैदराबाद के प्रभारी प्राचार्य के रूप में कार्य किया।
- निजाम कॉलेज हैदराबाद के उप-प्रचार्य के रूप में काम किया।
- मैस वार्डन, निजाम कॉलेज के रूप में काम किया।
- वार्डन निजाम कॉलेज हैदराबाद के रूप में कार्य किया।
- एएनओ, एनसीसी कंपनी निजाम कॉलेज के रूप में किया।
- कार्यक्रम अधिकारी निजाम कॉलेज यूनिट एनएसएस हैदराबाद यूनिट के रूप में काम किया।
- छात्र सलाहकार के रूप में कार्य किया।
- निदेशक छात्र मामले में कार्य किया।
- सत्यापन अधिकारी हैल्पलाइन सेंटर में काम किया।
- 2006 से 2017 तक ऑनलाइन काउंसलिंग सेंटर ओयू में सत्यापन अधिकारी के रूप में काम किया।
- **शैक्षिक योग्यता :**
- १ एम.ए. (हिन्दी) (स्वर्ण पदक) विजेता उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद।
- २. एम.फिल उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद।
- ३.पी.एचडी उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद।
- ४. पीजीडीटी अनुचवाद डिप्लोमा उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद।
- ५. रंग मंच कला में पीजी डिप्लोमा उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद।
- ६. एलएलबी डॉ. बी.आर. अंबेडकर लॉ कॉलेज, हैदराबाद।

## अन्य योग्यताएँ :

१ डॉ. अब्दुल कलाम लाईफ टाईम अवार्ड

२. तेलंगाना स्टेट काउंसिल ऑफ हाइयर एजुकेशन-में ज्वाइंट इनपेक्शन कमेटी के रूप में कार्य किया।

३. तेलंगाना स्टेट काउंसिल ऑफ हाइयर एजुकेशन स्टडीज़

४. तेलंगाना पब्लिक सर्विस कमिशन

५. तेलंगाना-डिर्पाटमेंट ऑफ पब्लिक लाइब्रेरी

६. मिनिस्ट्री ऑफ नार्थ ईस्ट डवलपमेंट-गवर्नमेंट ऑफ इंडिया

७. महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, नलगोंडा

८. टाटा कंसलटेंसी सर्विसेस

**नाम – बालाजी**

प्रवक्ता – हिन्दी महाविद्यालय

बी.एड, एम.ए., पीएच.डी., आंधप्रदेश टेट उत्तीर्ण -2011,

राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियों में भाग लिया जिनकी संख्या 3

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया जिनकी संख्या 2 है।

राष्ट्रीय स्तर पर दो आलेख प्रस्तुत किए पुस्तके प्रकाशाधीन है।

एम.ए. के स्तर पर निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त, एम.ए. के स्तर पर भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त।

**शैक्षिक योग्यता :**

१. स्नातक की डिग्री सरकारी डिग्री कॉलेज बिचकुंदा से प्राप्त किया।

२. स्नातकोत्तर की डिग्री सिकंदराबाद पी.जी. कॉलेज से प्रथम श्रेणी में प्राप्त की।

३. बी.एड. की डिग्री एम.एन.आर. कॉलेज संगारेड्डी से प्राप्त की।

४. अनुवाद डिप्लोमा निजाम कॉलेज से उत्तीर्ण किया।

५. पी.एच.डी. उस्मानिया युनिवर्सिटी से जारी है (पंजीकरण वर्ष 2017 से 2023)।

**अध्यापन अनुभव :**

१. जाह्नवी डिग्री कॉलेज में 2014 से 2020 तक हिन्दी प्राध्यापक के रूप में कार्य किया।

२. 10-11-2022 से अब तक हिन्दी महाविद्यालय में कार्यरत

# विभागीय दुर्बलताएँ

१. छात्रों की संख्या में कमी के कारण निम्नवत हैं।

१. दक्षिण भारत में हिन्दी पढ़नेवाले विद्यार्थियों की संख्या कम है।

२. हिन्दी के क्षेत्र में रोजगार की कमी।

३. हिन्दी रोजगार के बेारे में छात्रों में अनभिज्ञता।

४. अधिकतर छात्र नौकरी करने के साथ साथ एम.ए. हिन्दी करना चाहते हैं। अत: पत्राचार माध्यम से उपाधियाँ प्राप्त करते हैं, लेकिन उनमें शैक्षिक गुणवत्ता नहीं पायी जाती है।

# उपचारात्मक कक्षाएँ

१. जो छात्र धीमी गति से सीखते हैं अथवा जिनका मानसिक विकास पूर्ण रूप से अवस्था के अनुकूल नही होता है। उनके लिए मनोवैज्ञानिक निर्देशन और परामर्श की व्यवस्था हिन्दी महाविद्यालय में की जाती है।

२. छात्रों को लक्ष्य निर्धारण एवं उसे प्राप्त करने हेतु उचित मार्गदर्शन अध्यापकों द्वारा समय-समय पर दिया जाता है।

३. जिन विषयों को छात्र आसानी से नहीं समझ पाते हैं। उनके लिए अलग से कक्षाएँ चलाई जाती हैं।

४. छात्रों के व्यक्तित्व विकास संबंधी विविध आयामों पर उपचारात्मक शिक्षा की व्यवस्था इस संस्था में उपलब्ध है।

५. छात्रों को वैयक्तिक स्तर पर प्रोत्साहन दिया जाता है।

६. कुछ छात्र जो सामाजिक समस्याओं जैसे समायोजन या अंतर्द्वद्वों के शिकार होते हैं उनका भी शैक्षणिक उपचार किया जाता है।

# हिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय

१. हिन्दी महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यकम से संबंधित पुस्तकें आवश्यक संख्या में उपलब्ध हैं तथा छात्रों को नियमानुसार दी जाती हैं।

२. छात्रों की विषयेत्तर रुचियों से संबंधित पुस्तकें भी पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।

३. पुस्तकालय में वाचनालय की व्यवस्था है। जिसमें विविधप्रकार की पत्रिकाएँ एवं समाचार पत्र उपलब्ध है।

४. अधिक से अधिक संख्या में विद्यार्थी पुस्तकालय में रखी पुस्तकें उपयोग करते हैं

५. पाठ्यकम के अतिरिक्त भी विद्यार्थी अन्य पुस्तकों का अध्ययन कर ज्ञान संचित कर रहे हैं।

# हिन्दी विभाग की भावी योजनाएँ

१. विश्वस्तर पर हिन्दी का प्रचार करना।

२. शोधकार्य एम.फिल और पीएचडी स्तर पर प्रारंभ करना।

३. आधुनिक तकनीकी द्वारा शिक्षण कार्य करना।

४. पत्रिकाओं का प्रकाशन करना।

५. अनुवाद डिप्लोमा कोर्स की कक्षाएँ प्रारंभ करना।

६. हिन्दी स्पोकन तथा संप्रेषण कोर्स की कक्षाएँ प्रारंभ करना।

७. कार्यशालाओं का आयोजन करना।

८. बी.एड. प्रशिक्षण प्रारंभ करना

९. पत्रकारिता पाठ्यकम प्रारंभ करना

१०. राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय फलक पर संस्था को ख्यातिप्रदान कराने के लिए राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर संगोष्ठी का आयोजन करना।

११. आर्थिक रूप से पिछड़े एवं गामीण छात्रों में हिन्दी के प्रति जागरुकता उत्पन्न करने के लिए राज्य स्तर पर हिंदी प्रतियोगिता का आयोजन करना एवं उन्हें पुरस्कृत करना।

# प्रतिज्ञा

१. हिन्दी महाविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की संस्था बनने में सहयोग देना।

२. हिन्दी विषय को रोचक एवं व्यावहारिक स्तर पर उपयोगी बनाना जिससे छात्र हिन्दी के विकास में सहयोग दें।

३. हिन्दी को जन-जन की भाषा बनाने के लिए हिन्दी साहित्य तथा हिंदी माध्यम के पाठ्याकमों का निर्माण करना।

४. हिन्दी माध्यम से निर्मित अन्य विषयों की पुस्तकों के निर्माण में पूर्ण सहयोग देना, जिससे यह आधुनिक तकनीकी की भाषा बन सके।

# Thank You